रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा

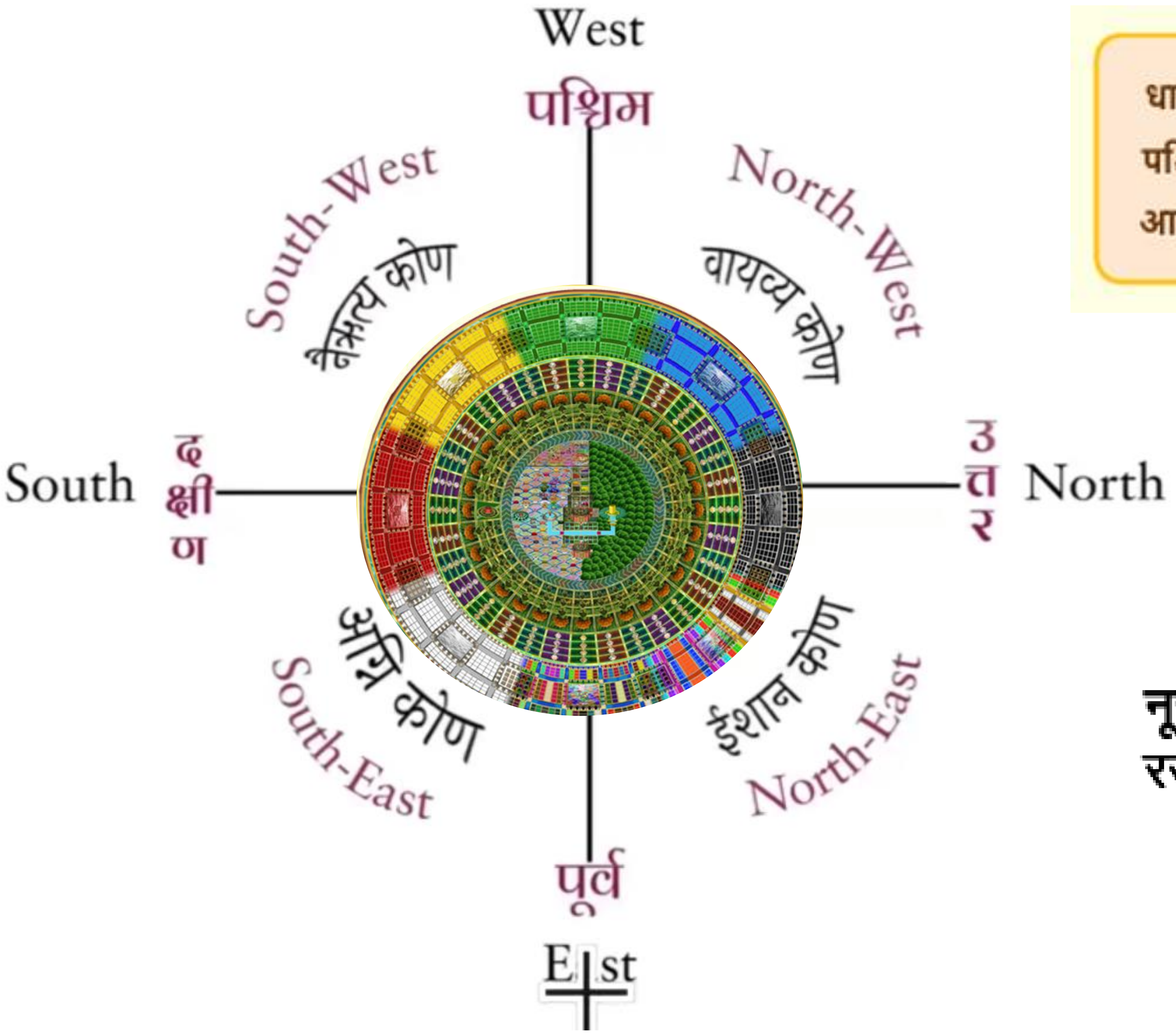

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

1

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

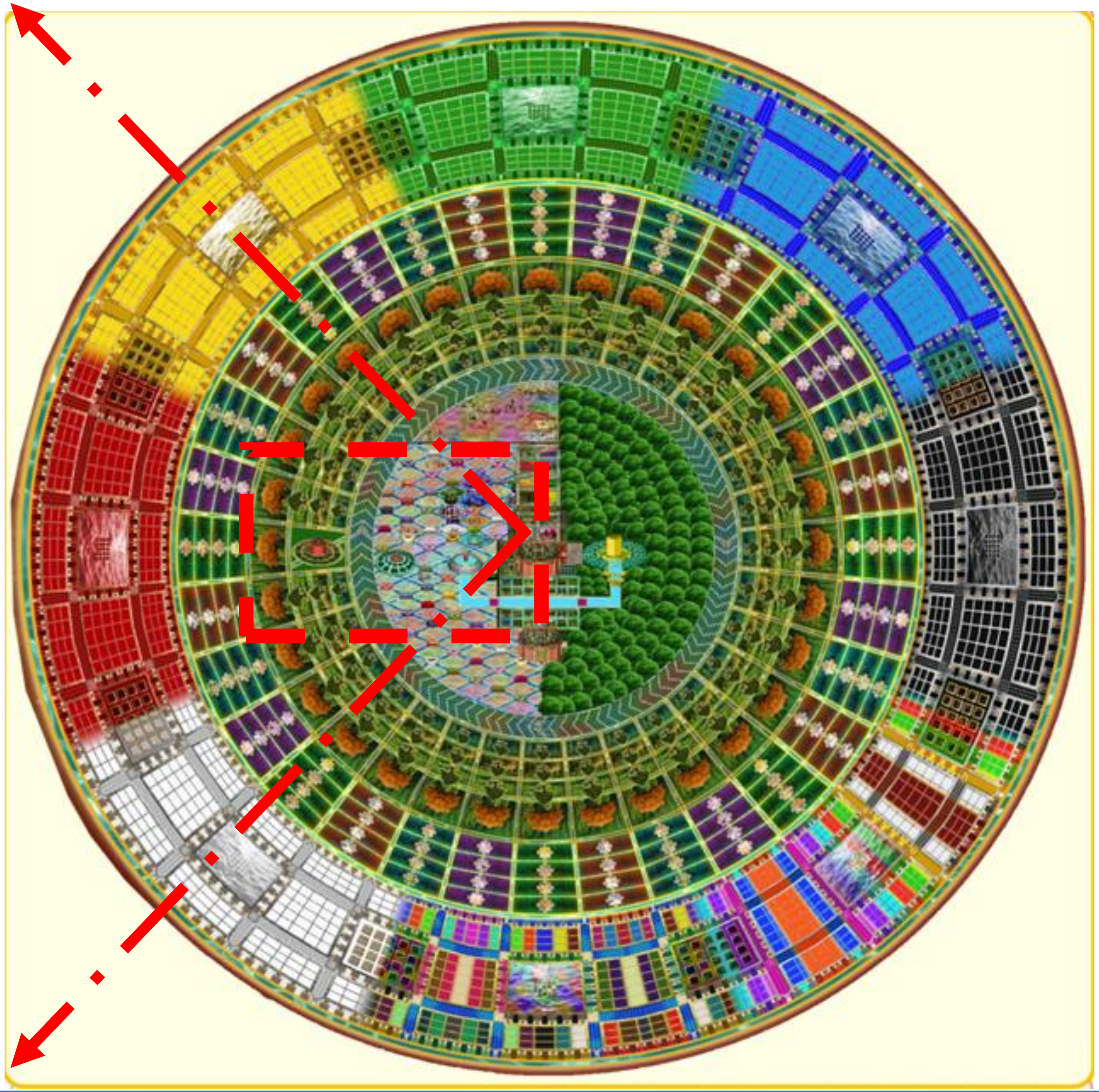

- बट पीपल की चोंकी
- कुंज निकुंज वन
- हौज कोसर
- चौबीस हांस के मोहल
- मानिक पहाड़

1 2 3

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

4

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

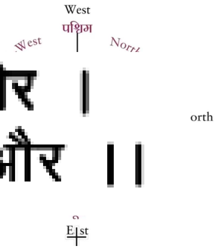

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – पाचीस पक्ष

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा - परमधाम विहार

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

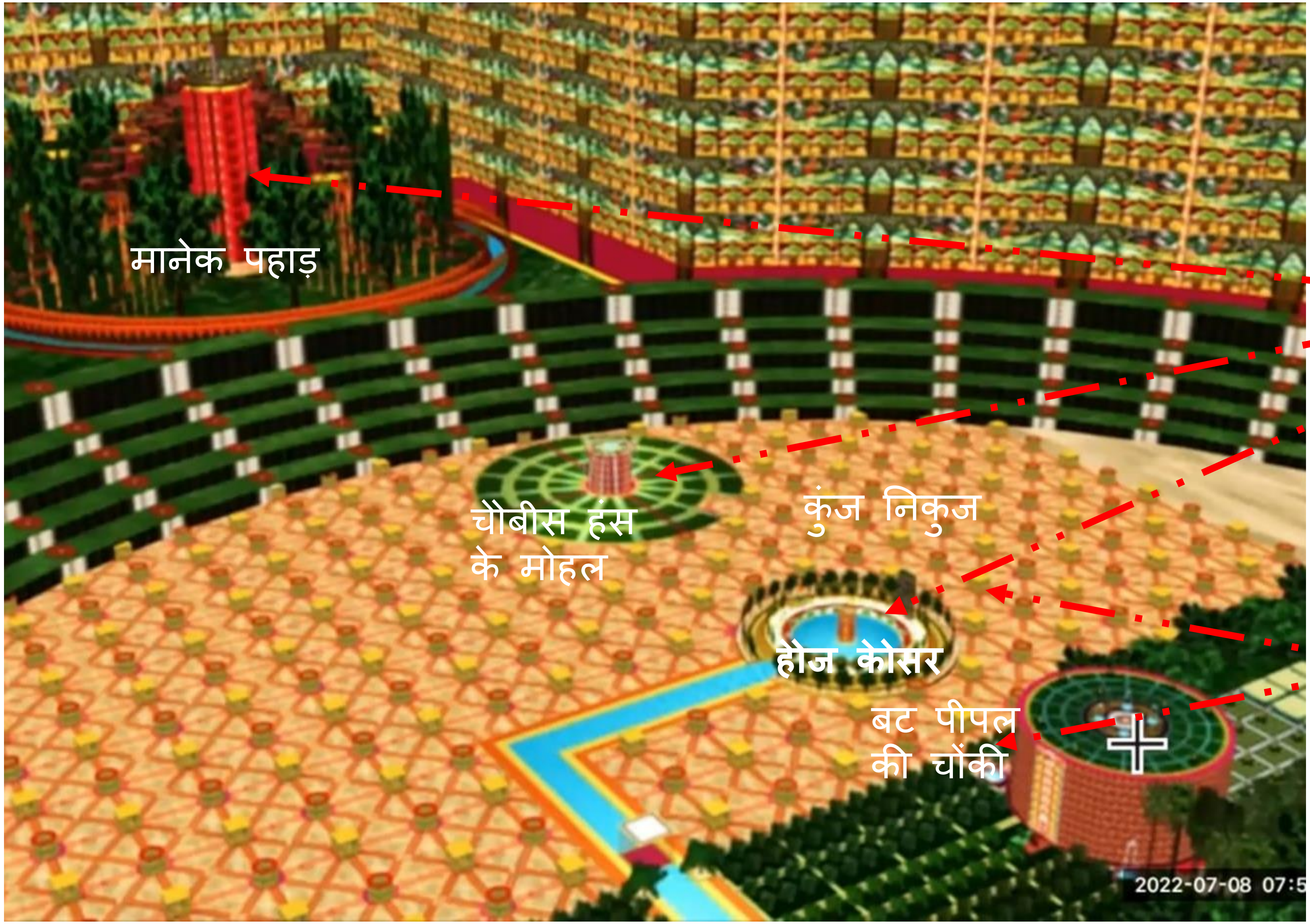

परमधाम विहार – पूर्व

सुखपाल , तख्तरवा, सेर करते

शुक्ल पक्ष (सुद)	
एकदासी	मानेक पहाड़
तेरस	चौबीस हंस के मोहल
चतुदरसी	**होज कोसर**

क्रष्ण पक्ष (वद)	
तृतीय	बट पीपल की चोंकी कुंज निकुज

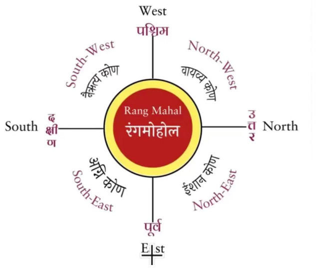

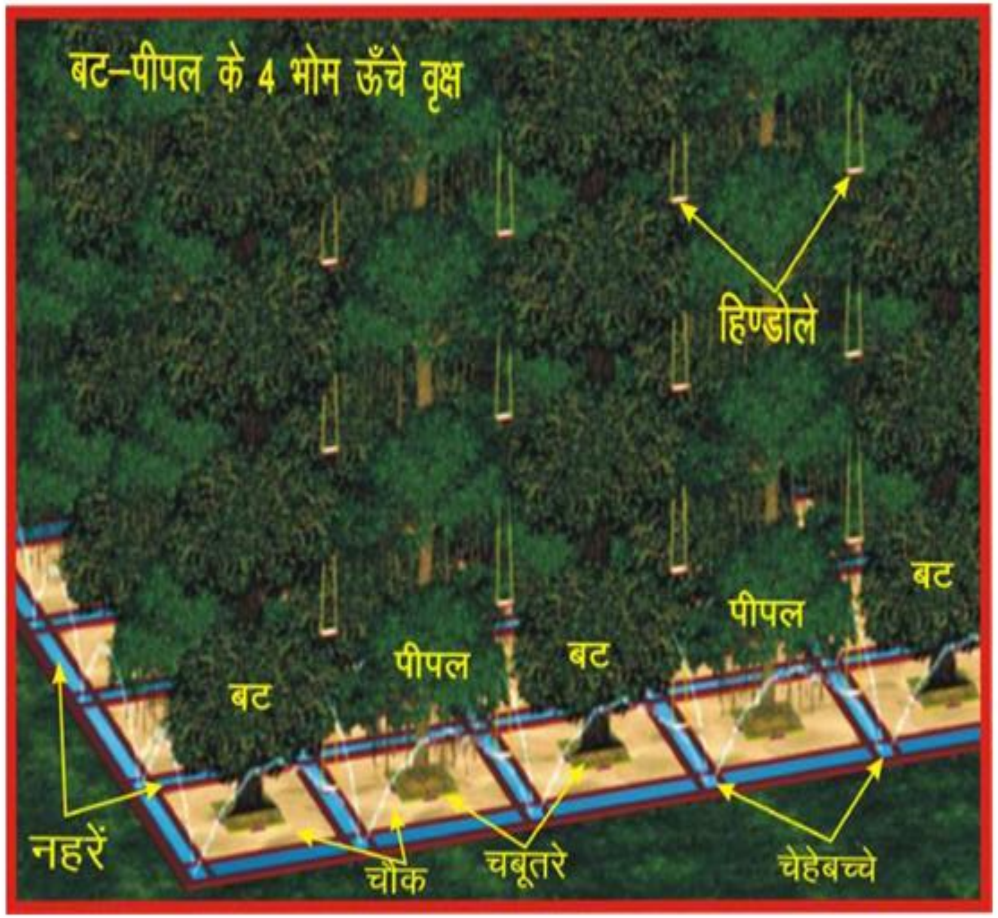

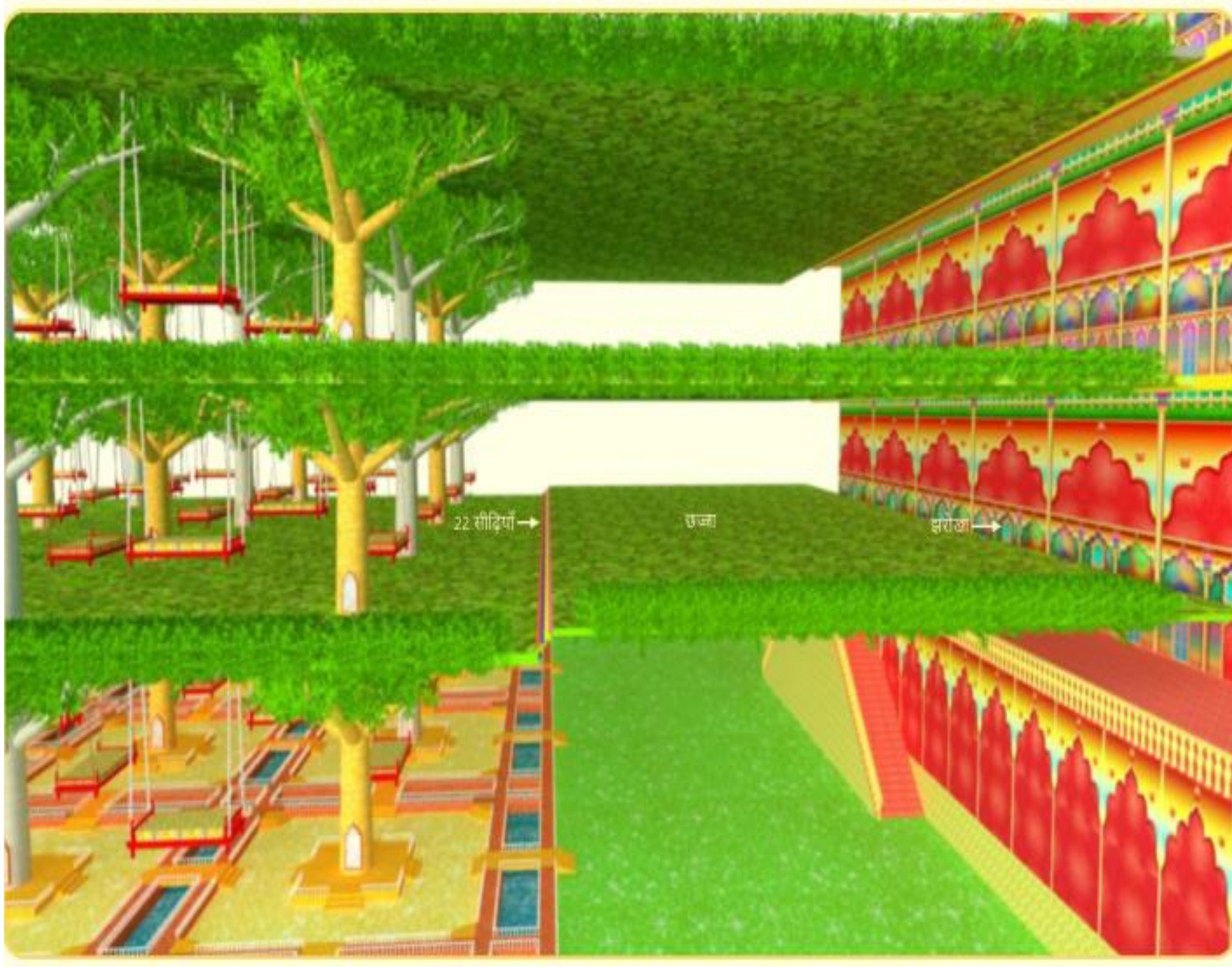

एक एक चौकी देखिये , रूहें बैठत बारे हजार ।
बीच बीच सिंहासन हक का , ऐ सोभा अति अपार ।।

बट पीपल की चौकियाँ , चारों भोम हिण्डोले।
ए सुख कब हम लेवेंगे , हक हादी रूहें भेले।।

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – बट पीपल की चोंकी

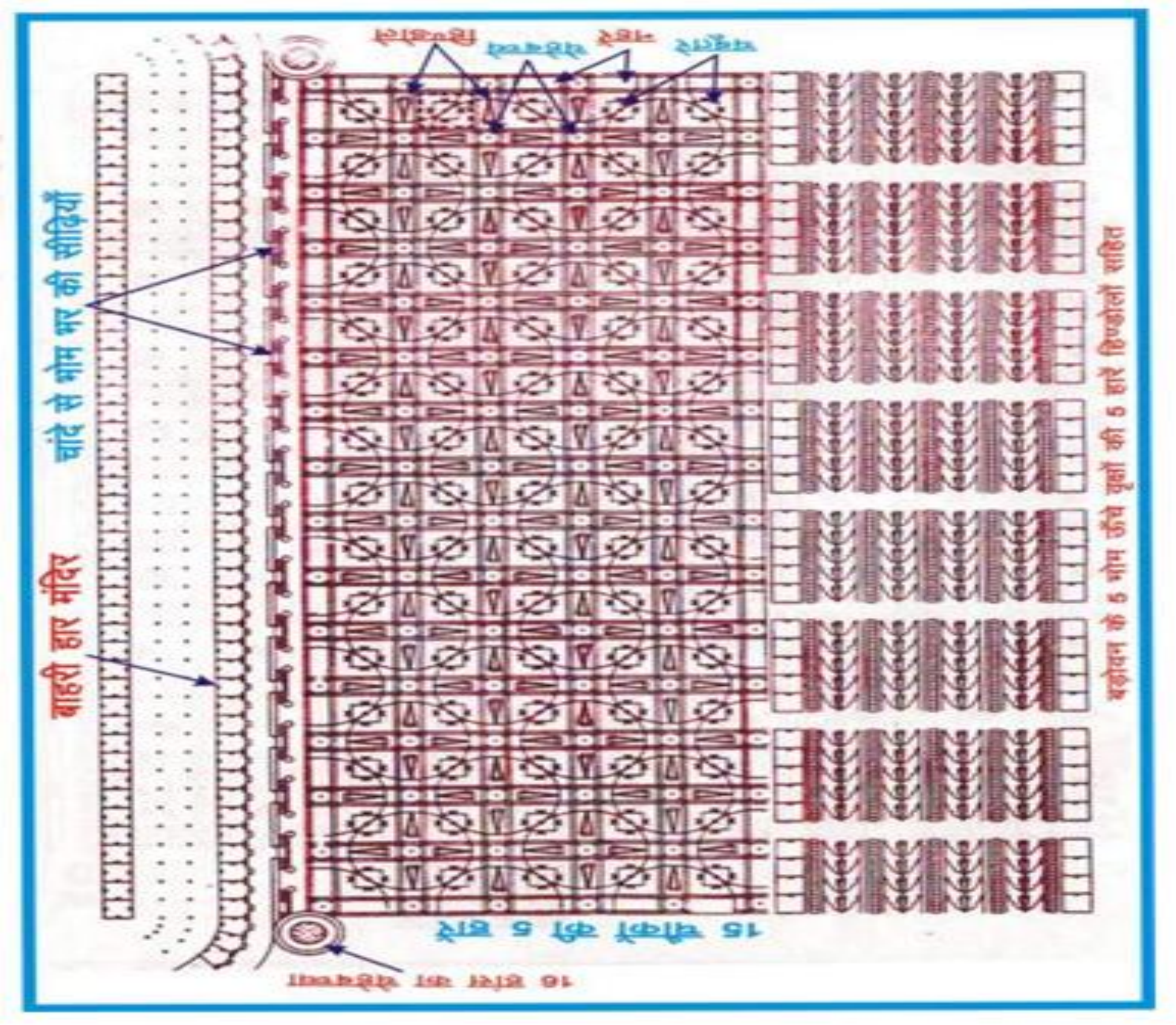

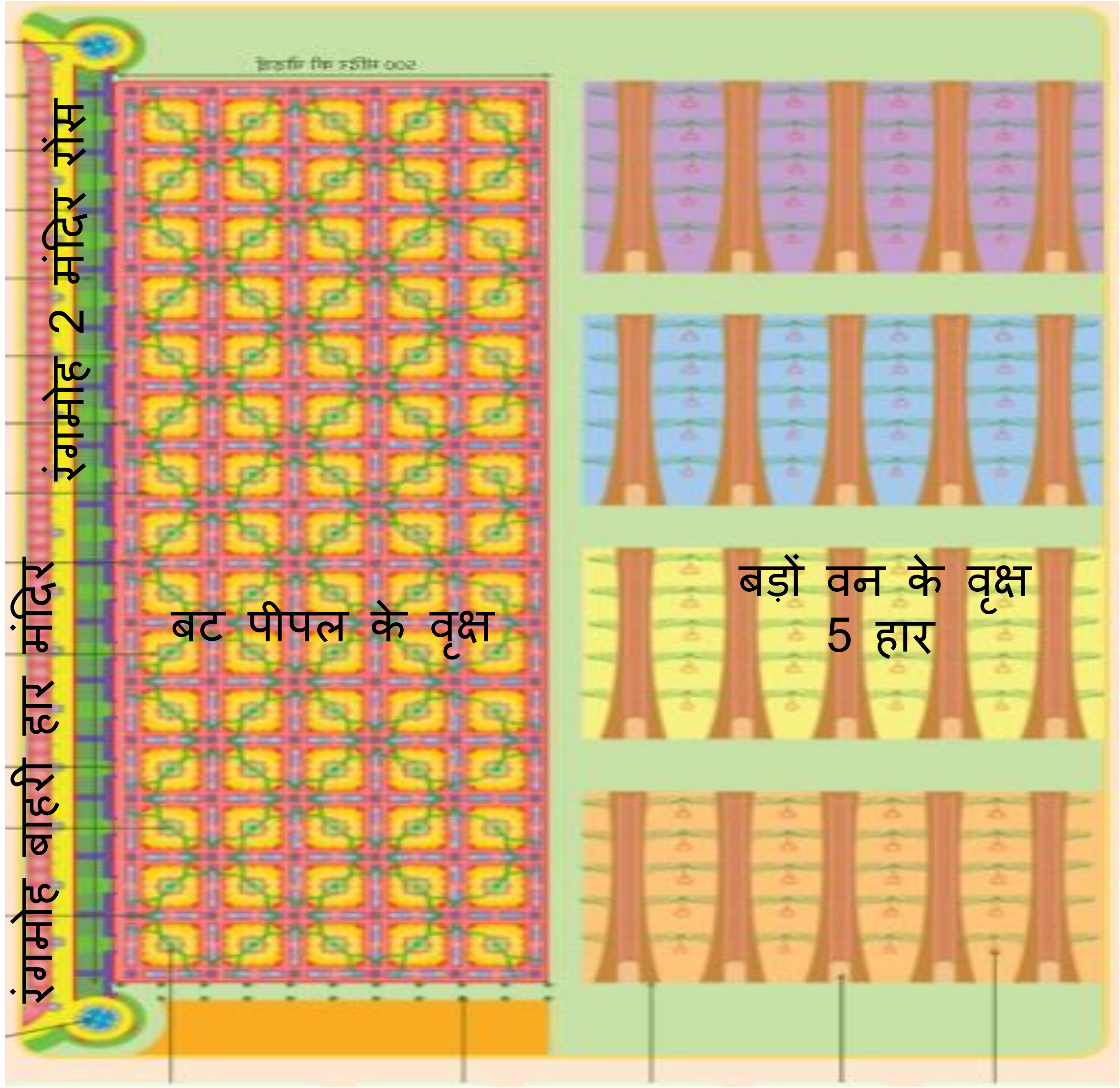

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – कुंज निकुंज वन

कुंजवन की रेती में, पिया चलो दौड़िये जाय।
जो जाको छुई लेत हैं, सो ताके हाथ बिकाय।।३।।

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – कुंज निकुंज वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

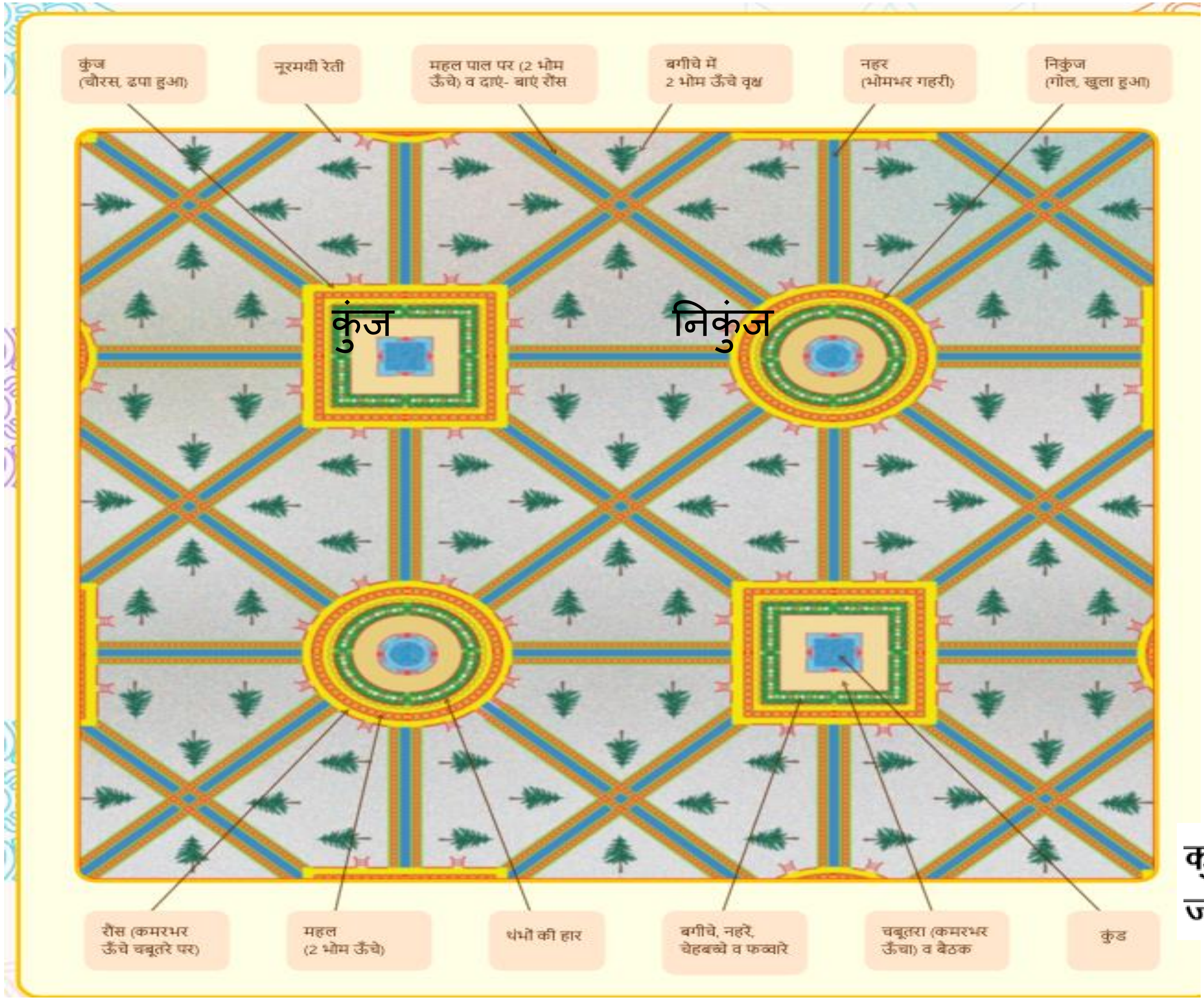

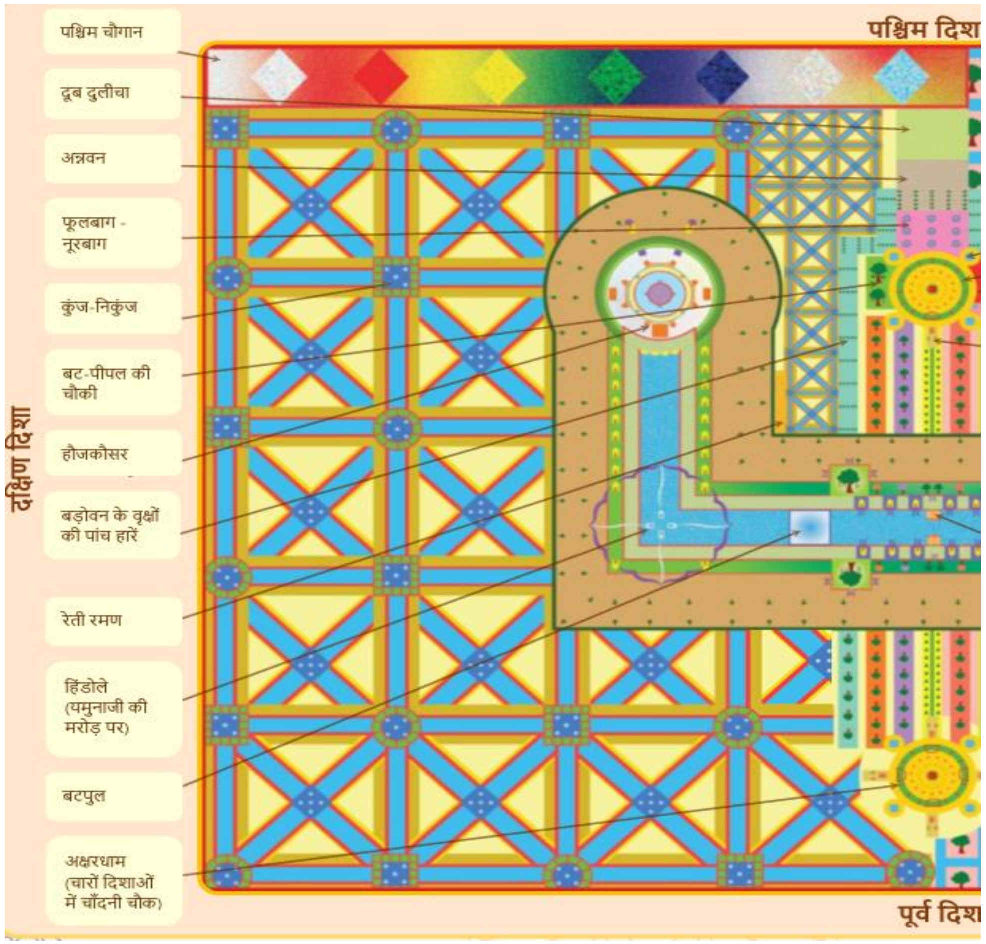

कुंजवन की रेती में, पिया चलो दौड़िये जाय।
जो जाको छुई लेत हैं, सो ताके हाथ बिकाय।।३।।

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – कुंज निकुंज वन

फिरते इन कुंज वन में, हक हादी देखिए जब ।
सुन्दर सरूप धनीअ का, रूह अत सुख पावत ॥३०॥

रूहें रमें कुंज वन में, शोभित सब सिनगार ।
बस्तर भूखन अंग पर, सब जानत परवरदिगार ॥३३॥

कुंज

निकुंज

कोई हक हादी के संग चले, कोई आए रोकत राह दरम्यान ।
एह रामत रमें इन गली, खेंच चलत चतुर सुजान ॥५३॥

छे घड़ी लों खेलत, कई वन में करे बिलास ।
समे भया झीलन का, रहे जल क्रीड़ा की आश ॥५८॥

होज कोसर
कुंज
निकुंज

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – होज कोसर

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

जब आवत इत अर्श से , चढ़िये इन घाट ताल ।
चबतरे दोए दयोहरी . सीढियाँ चढते होत खशाल ।।

जब हक आवत ताल को , आए विराजत इत ।
सो खेल जल का करके , ऊपर सौक को बैठत ।।

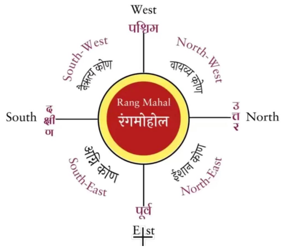

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – होज कोसर

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

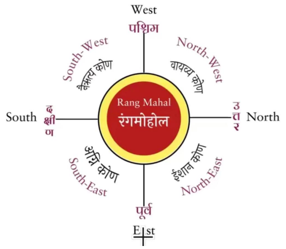

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – होज कोसर

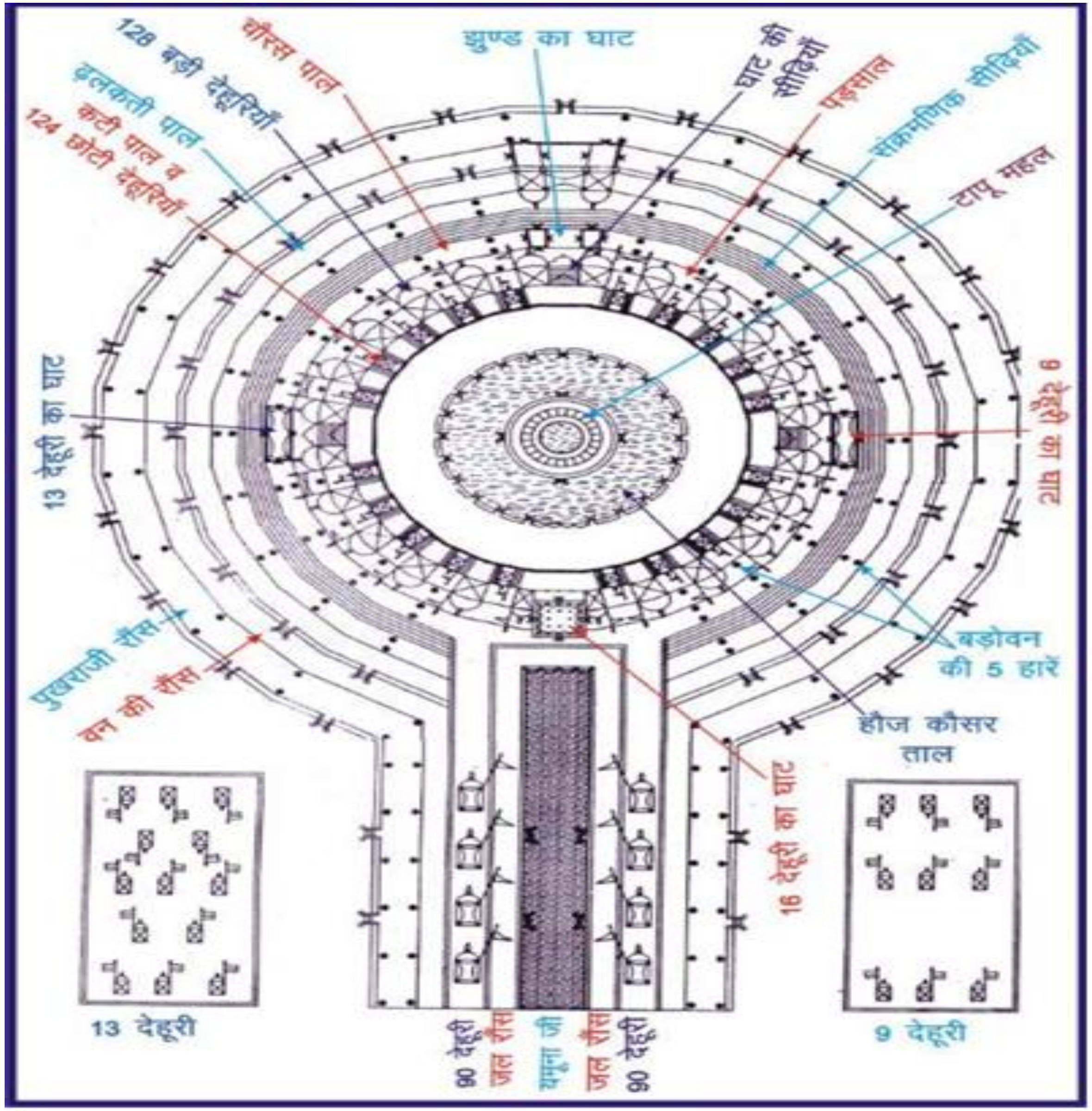

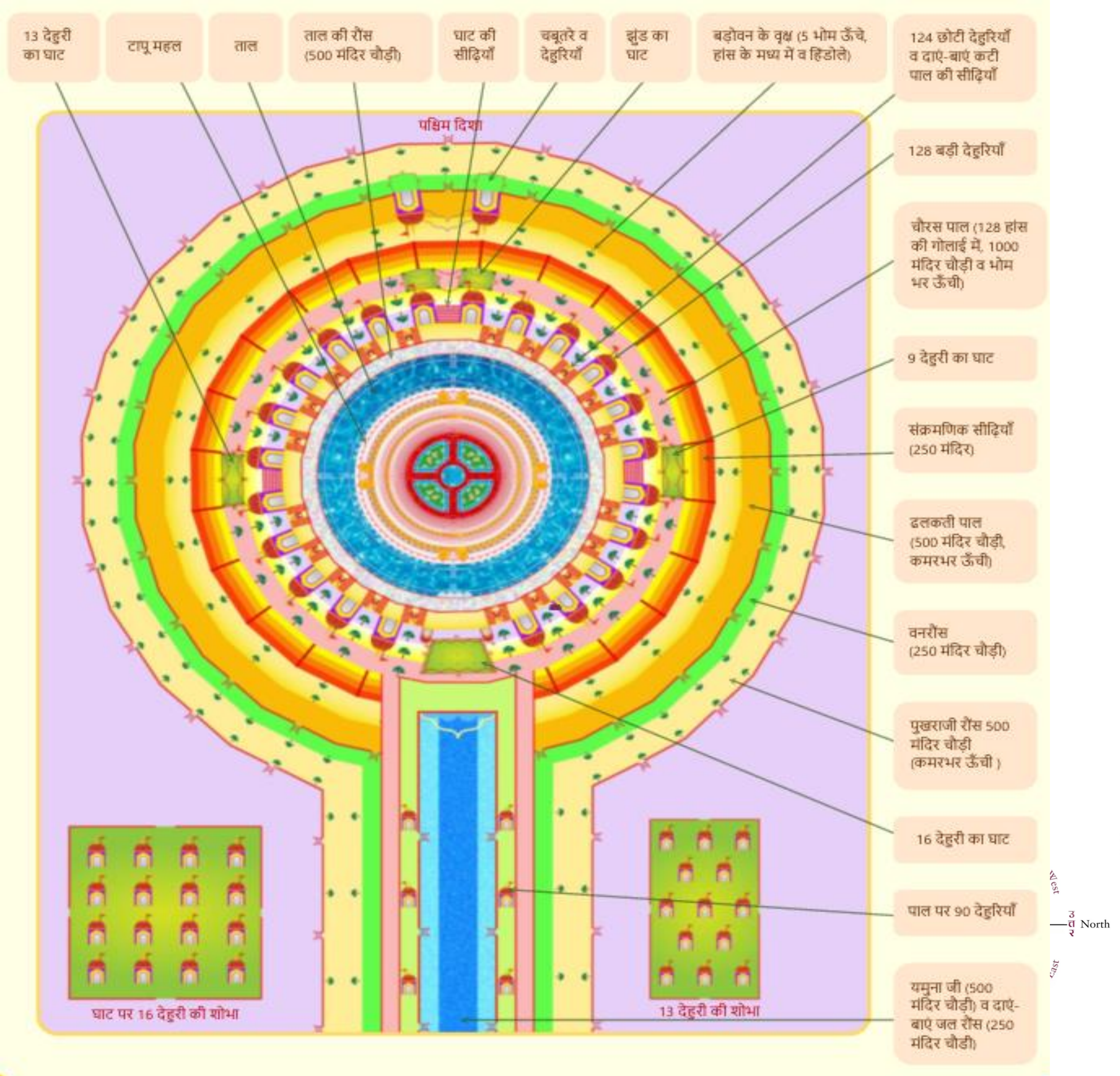

चौबीस फुहारें बीच में, परें चौबीस गुरजें ।
तासों परें चौबीस चादरें, गिरद परें कुण्डें ।।

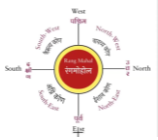

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – चौबीस हांस के मोहल

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

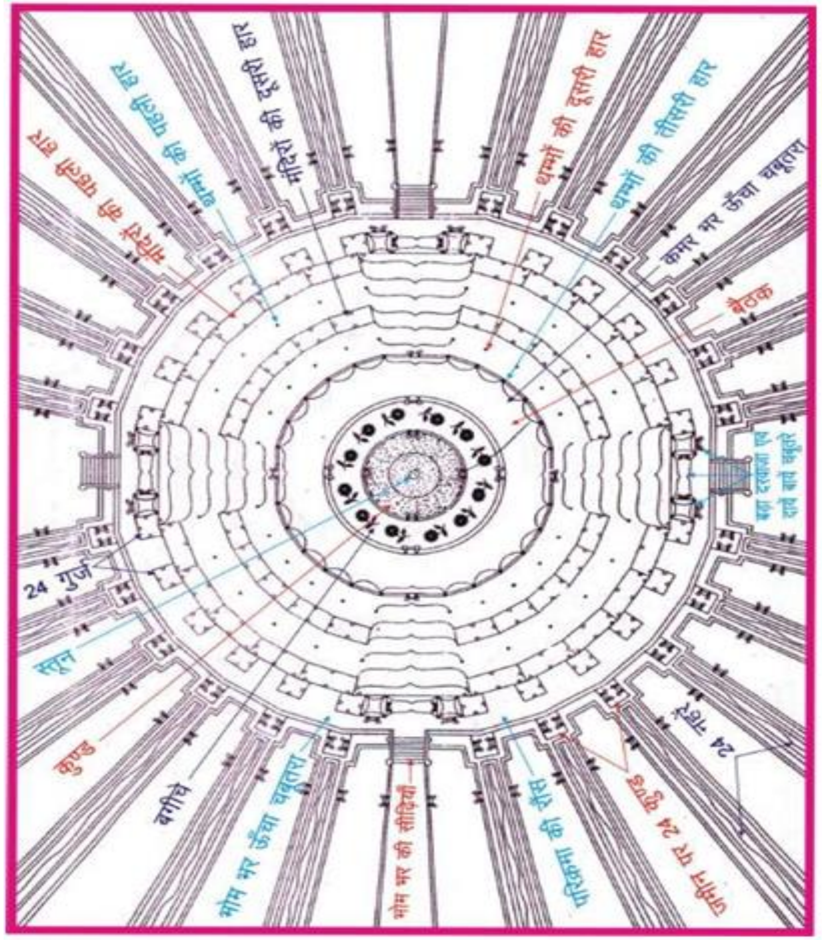

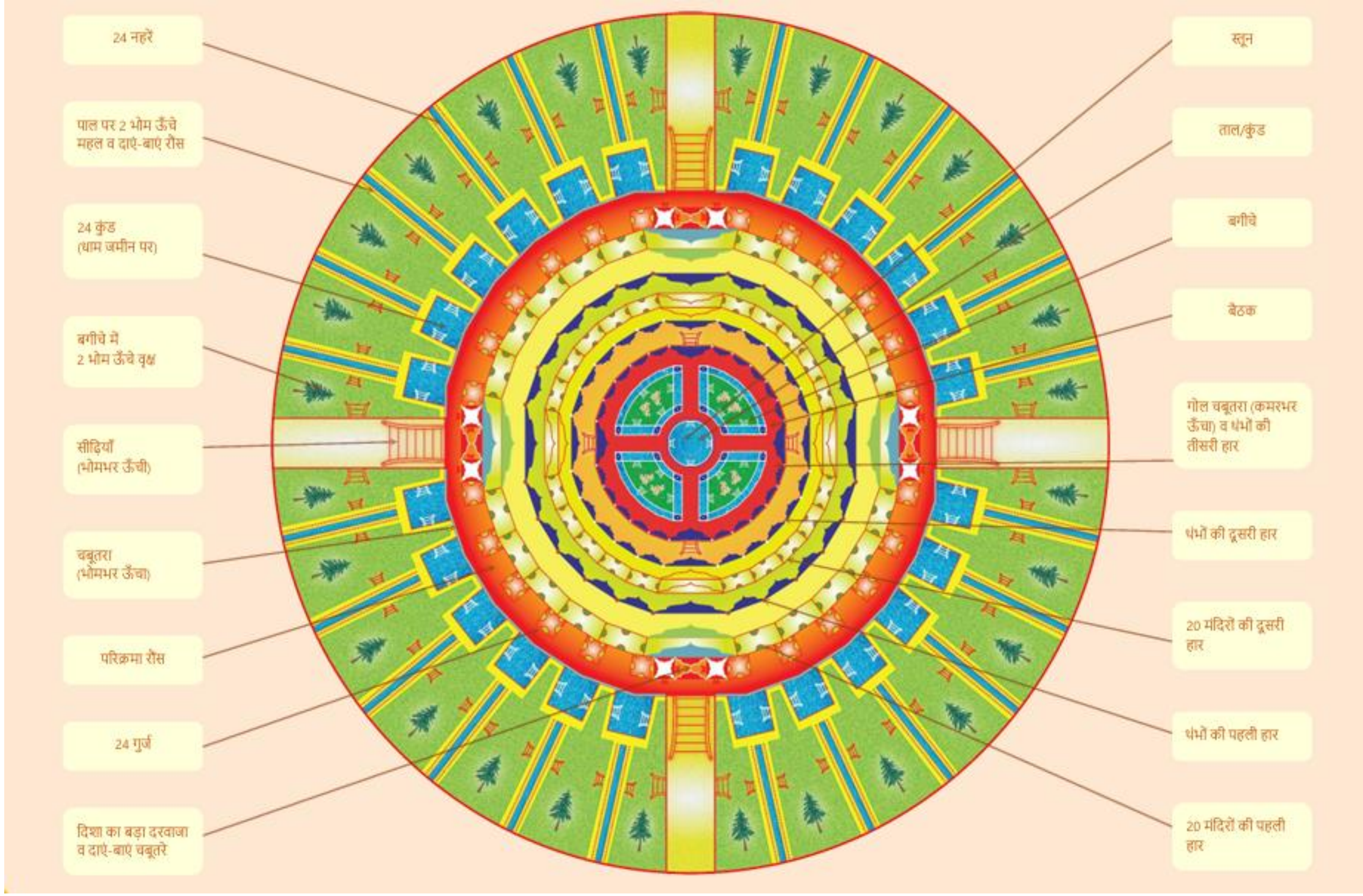

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – चौबीस हांस के मोहल

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

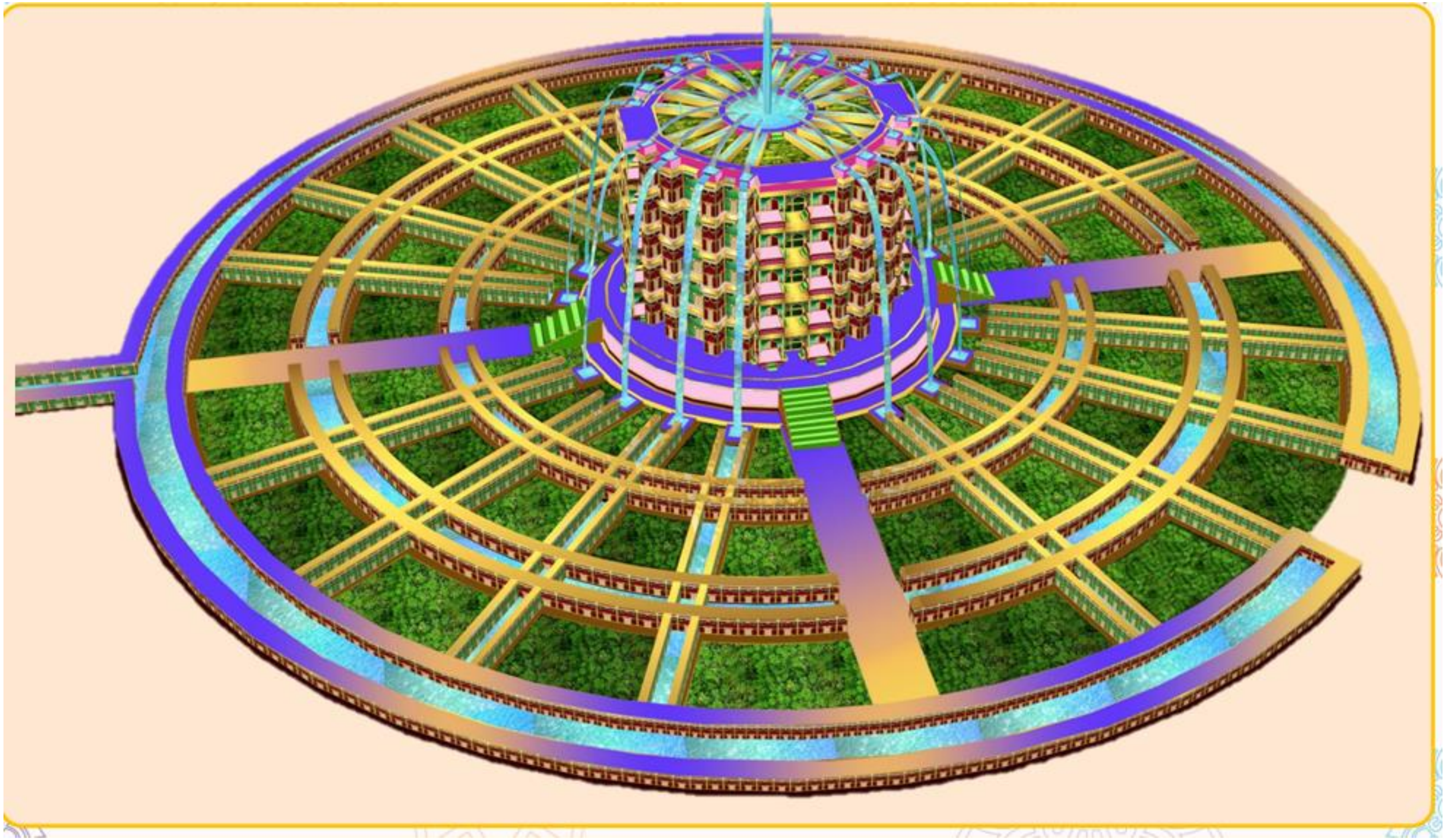

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – मानिक पहाड़

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

पहाड़ माणिक मोहोल कई , यों पहाड़ मोहोल अनेक ।
सब अपार अलेखे इन जिमी , कहां लों कहूँ विवेक ।।

साथजी देखो मोहोल मानिक , जो कहे द्वार बारे हजार ।
सोभा संदरता इनकी . ए न आवे बीच समार ।।

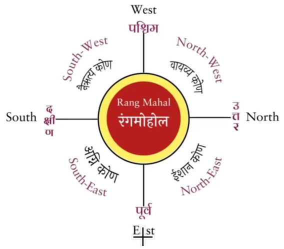

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – मानिक पहाड़

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

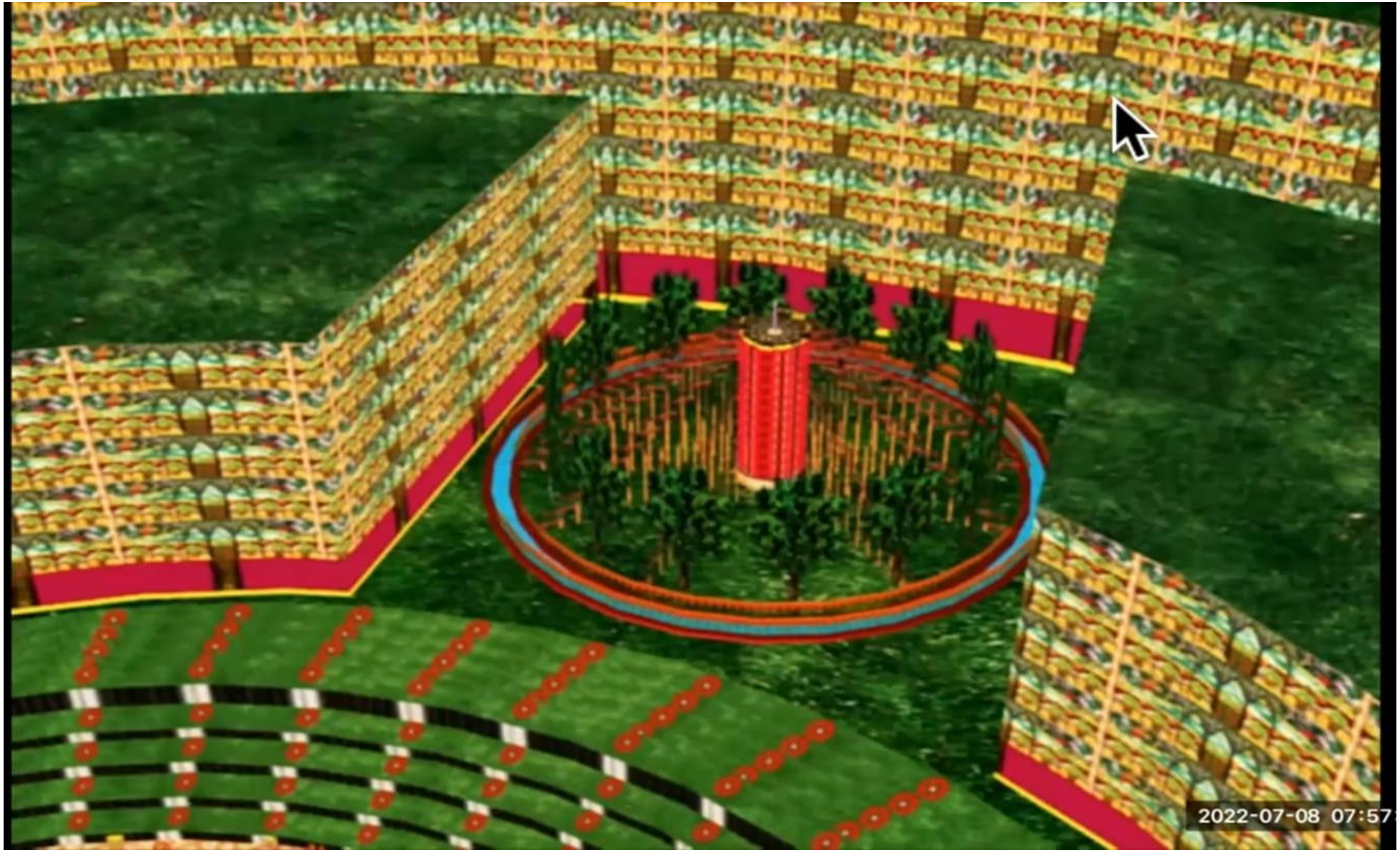

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – मानिक पहाड़

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

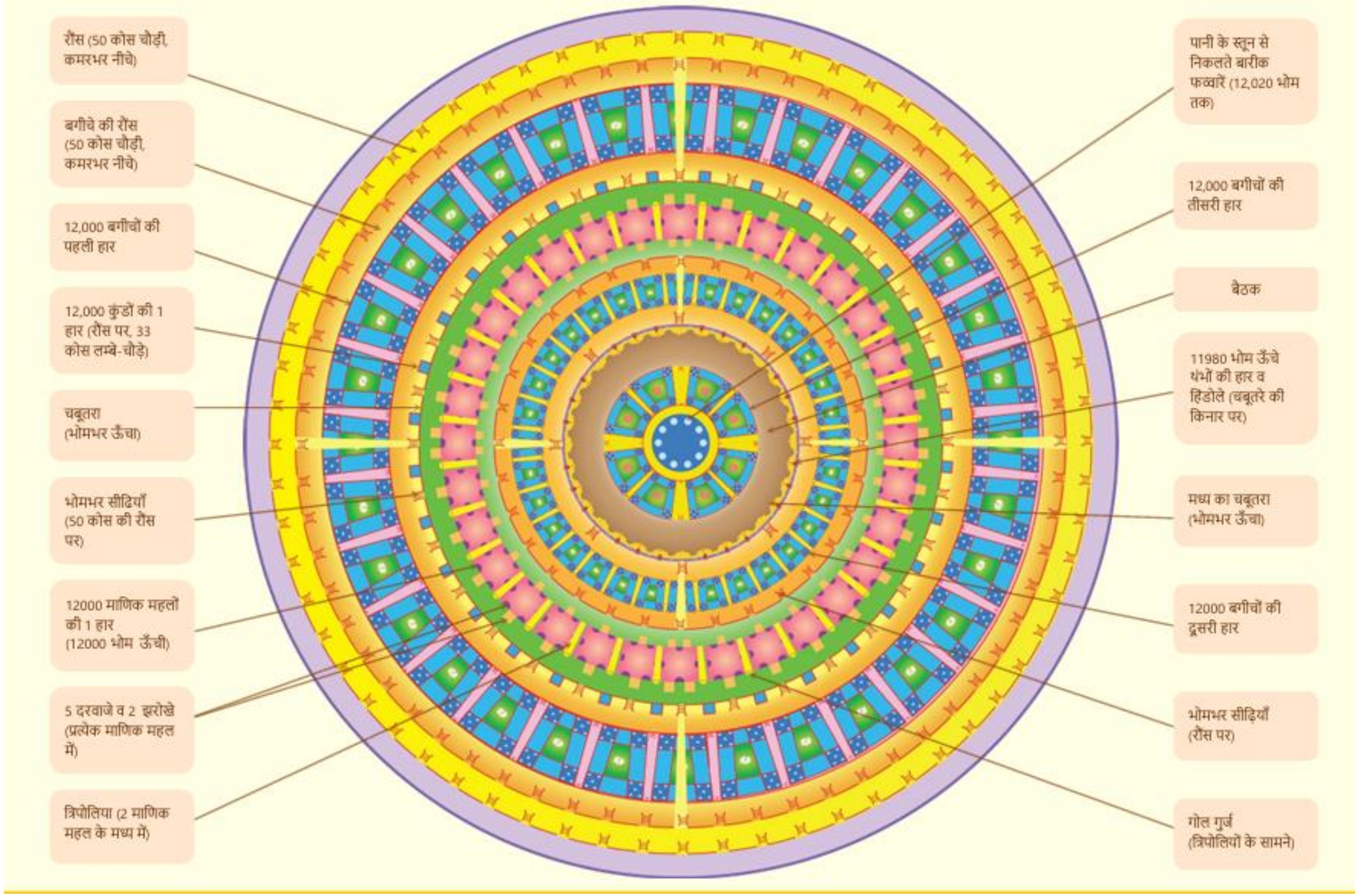

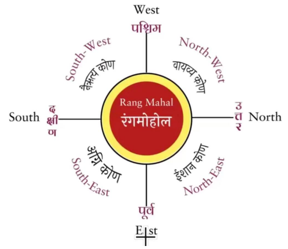

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – मानिक पहाड़

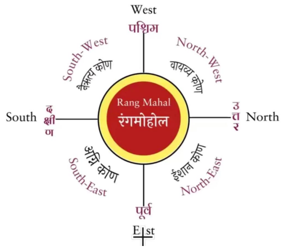

Sahoor

OR

Quiz